कौशल विकास से युवाओं में बढ़ रहा आत्मविश्वास

आप युवा हैं. आपको रोजगार की तलाश है, तो कौशल विकास के जरिये झारखंड के युवा अपने सपने साकार कर सकते हैं. आप हुनरमंद बनकर अपने करियर को नयी उड़ान दे सकते हैं. आपके करियर की राह आसान बनाने के लिए रघुवर सरकार आप युवक-युवतियों को हुनरमंद बनाकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयासरत है. न्यू झारखंड का सपना साकार करने के लिए झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी बाजार की मांग के अनुसार युवाओं के कौशल का विकास कर उन्हें रोजगार से जोड़ रही है. इससे हुनरमंद युवक-युवतियों के चेहरे पर आत्मनिर्भरता की मुस्कान बिखर रही है. पढ़िए **गुरुस्वरूप मिश्रा** की रिपोर्ट.

आज तकनीक का जमाना है. ऐसे में युवाओं का हुनरमंद होना जरूरी है. हाथ में हुनर हो, तो हर जगह कदर होती है. जिंदगी की राह आसान हो जाती है. हर पेशे में हुनरमंद युवाओं की मांग है. झारखंड के मुख्यमत्री रघुवर दास ने बेरोजगारी के दाग को धोने के लिए वर्ष 2016 में झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी का गठन किया. इसका उद्देश्य अधिक से अधिक बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार से जोड़ने के लिए उनके कौशल का विकास करना था, ताकि झारखंड के युवक-युवतियों को उनकी रुचि और हुनर के अनुसार रोजगार देकर उनकी जिंदगी में खुशी के रंग भरे जा सकें. हुनरमंद युवाओं की लंबी फौज तैयार हो गयी है, जिन्होंने अपने कौशल का विकास कर अपनी जिंदगी को तेज रफ्तार दी है.

कौशल विकास के तहत प्रशिक्षित युवाओं को मिला प्रमाण पत्र.

रूस के कजान में वर्ल्ड स्किल प्रतियोगिता

केंद्र और राज्य सरकार के मानक के अनुरूप प्रशिक्षण केंद्रों में क्लास रूम और आवास समेत प्रयोगशाला व कार्यशाला की सुविधा है. वर्ष 2019 में रूस के कजान में वर्ल्ड स्किल प्रतियोगिता आयोजित होनी है. इसमें झारखंड से दो युवा देश का प्रतिनिधित्व करेंगे. कार पेंटिंग में बोकारो के प्रकाश शर्मा और ऑटो बॉडी रिपेयर में रांची के सज्जाद अंसारी अपना हुनर दिखायेंगे.

प्री प्लेसमेंट का सुनहरा मौका

झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी द्वारा हुनरमंद अभ्यर्थियों को रोजगार देने के लिए प्री प्लेसमेंट को लेकर तेजी से कार्य किया जा रहा है. ऐसे में युवाओं के लिए ये सुनहरा मौका है कि वह झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी से जल्द संपर्क कर कौशल से जिंदगी को ऊंची उड़ान दें.

हुनर से बदलिए जिंदगी

18-35 आयु वर्ग के झारखंड के युवक-युवतियां अपनी रुचि के ट्रेड में हुनरमंद बन सकते हैं. न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता पांचवीं पास है. ट्रेड के अनुसार शैक्षणिक योग्यता निर्धारित है. राज्य में 29 सेक्टर के 115 ट्रेड में प्रशिक्षण की व्यवस्था है. राज्यभर में 134 कौशल विकास केंद्र संचालित किये जा रहे हैं. प्रशिक्षण बिल्कुल मुफ्त है. आवासीय व गैर आवासीय सुविधा है. भोजन, ड्रेस और आवास पूरी तरह नि:शुल्क है. सुविधा और रुचि के अनुसार अपने जिले या राज्य के किसी भी जिले से नि:शुल्क प्रशिक्षण ले सकते हैं.

रोजगार के लिए बाजार पर नजर

झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के सीइओ अमर झा कहते हैं कि युवाओं को 29 सेक्टर के 115 ट्रेडों में हुनरमंद बनाया जा रहा है, लेकिन इस दौरान इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि बाजार में किस ट्रेड की अधिक मांग है. उसके अनुसार ही युवाओं को प्रशिक्षित कर तैयार किया जा रहा है, ताकि उन्हें आसानी से रोजगार से जोड़ा जा सके. 88 फीसदी युवाओं को राज्य से बाहर रोजगार दिया गया, जबकि 12 फीसदी हुनरमंदों को राज्य में ही रोजगार दिया गया. कपड़ा उद्योग से जुड़े हुनरमंदों की दक्षिण भारत में अधिक मांग है. दिल्ली समेत उत्तर भारत के अन्य राज्यों में ऑटोमोबाइल्स और कॉल सेंटर में युवाओं की अधिक डिमांड है.

युवाओं का विश्वस्तरीय कौशल विकास

विश्वस्तरीय कौशल विकास के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (आइटीइ) सिंगापुर के साथ समझौता हुआ है. इसके तहत रांची के अर्बन हाट की बिल्डिंग में इसके ट्रेनर विश्वस्तरीय प्रशिक्षण देकर मास्टर ट्रेनर तैयार करेंगे, जो झारखंड के युवाओं को प्रशिक्षित करेंगे. यहां मैकेट्रॉनिक्स, फैसिलिटिज इंजीनियरिंग, हॉस्पिटलिटी ऑपरेशन और रिटेल का प्रशिक्षण दिया जायेगा. प्रतिवर्ष 720 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है.

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

कौशल विकास के तहत प्रशिक्षित छात्रा को प्रमाण पत्र सौंपते मुख्यमंत्री रघुवर दास.

हुनर के संग, जीवन में रंग

झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी हुनर के संग, जीवन में रंग भर रही है. मुख्यमंत्री रघुवर दास ने 27 दिसंबर 2016 को सक्षम झारखंड कौशल विकास योजना की शुरुआत की थी. अब तक कौशल विकास से करीब 63 हजार युवक-युवतियां जुड़ चुके हैं. करीब 38 हजार युवाओं को पूर्ण प्रशिक्षण दिया जा चुका है. 26 हजार युवाओं को रोजगार दे दिया गया है. फिलहाल करीब 20 हजार अभ्यर्थी विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण ले रहे हैं.

इन ट्रेडों में ले सकते हैं प्रशिक्षण

वस्त्र उद्योग, ऑटोमोबाइल्स, प्लंबिंग, सिक्योरिटी, आइटी आइटीइएस, इलेक्ट्रॉनिक्स, हेल्थ केयर, ब्यूटी वेलनेस कॉल सेंटर एक्जीक्यूटिव, इंस्ट्रूमेंटेशन ऑटोमेशन सर्विलेंस एंड कंट्रोल, फील्ड टेक्नीशियन, सिलाई, वेल्डिंग, फिटर, डाटा इंट्री ऑपरेटर, मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नीशियन, जेनरल ड्यूटी असिस्टेंट, रिटेल सेल्स एसोसिएट, इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन, हेयर स्टाइलिस्ट, मेकअप आर्टिस्ट, हैंडसेट रिपेयर इंजीनियर समेत कई ट्रेड हैं.

एक लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र

12 जनवरी 2019 को स्वामी विवेकानंद की जयंती के मौके पर राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया जायेगा. इस अवसर पर मुख्यमंत्री रघुवर दास एक लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र देंगे. आप भी हुनर से अपनी जिंदगी बदलना चाहते हैं, तो जल्द से जल्द झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के कॉल सेंटर (**18001233444**) पर संपर्क करें. विस्तृत जानकारी डोरंडा के श्रम भवन स्थित झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के कार्यालय या हुनर के पोर्टल (**hunar.jharkhand.gov.in**) पर भी ले सकते हैं.

पंचायतनामा | डायरी

झारखंड. हुनर से बेरोजगार युवाओं को मिल रहा रोजगार

झारखंड के युवाओं में हुनर की कोई कमी नहीं है. सिर्फ जरूरत है उनके हौसला आफजाई की. झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी बेरोजगार युवाओं को हुनरमंद बनाकर रोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है. इसके द्वारा कम पढ़े-लिखे हुनरमंद युवाओं को बेहतर अवसर प्रदान किया जा रहा है. प्रशिक्षण के बाद जहां ये युवा हुनर का बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं राज्य स्तर पर आयोजित स्किल प्रतियोगिता में भी अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं. इस प्रतियोगिता में 36 युवा विजयी घोषित हुए. उन्हें पुरस्कृत भी किया गया. युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए इंसेंटिव भी दिये जा रहे हैं. राज्य सरकार ने 12 जनवरी 2018 को 25 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया था.

बिहार. 2020 तक एक करोड़ युवाओं को हुनरमंद बनायेगी सरकार

नीतीश सरकार वर्ष 2020 तक एक करोड़ युवाओं को हुनरमंद बनायेगी, ताकि ये हुनरमंद अपने और समाज के लिए बेहतर कर सकें. राज्य में स्किल्ड युवाओं के लिए रोजगार की काफी संभावनाएं हैं. इसे ध्यान में रखते हुए वर्ष 2011 में डेवलपमेंट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट की स्थापना की गयी थी. सरकार हर स्तर पर युवाओं की सहायता कर रही है. रोजगार के अनुरूप लोगों को प्रशिक्षित किया जा रहा है. राज्यस्तरीय कौशल प्रतियोगिता आयोजित हुई. इसमें युवाओं ने काफी रुचि दिखायी. राज्य में कौशल विकास का कार्य वर्ष 2005 से शुरू हुआ है. आधारभूत संरचना, निर्माण कार्य एवं सामाजिक क्षेत्र के साथ-साथ हर क्षेत्र में दक्ष लोगों की कमी दूर करने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है.

लीजिए नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण

- न्यूनतम योग्यता पांचवीं पास
- आवासीय एवं गैर आवासीय सुविधा
- दिव्यांग उम्मीदवारों को प्रशिक्षण में प्राथमिकता
- 12वीं पास कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए एक्सेल योजना के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण
- प्रशिक्षण के बाद कम से कम 70 फीसदी सफल प्रशिक्षणार्थियों की नियुक्ति
- लगभग 20 क्षेत्रों में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध
- एक्सेल योजना के तहत प्रमुख जिलों के 100 कॉलेजों से करार प्रक्रियाधीन
- आइटीआइ सिंगापुर के सहयोग से ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स अकादमी की स्थापना
- रजिस्ट्रेशन के लिए अभ्यर्थी hunar.jharkhand.gov.in पर लॉग ऑन कर सकते हैं
- अपने क्षेत्र के प्रशिक्षण प्रदाता से संबंधित जानकारी के लिए www.skilljharkhand.org पर लॉग इन कर सकते हैं

इन क्षेत्रों में दिया जा रहा प्रशिक्षण

कंप्यूटर, सिलाई, सिक्योरिटी, ब्यूटी एंड वेलनेस, बैंकिंग, भवन निर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, खनन, स्वास्थ्य सेवाएं, टेलीकॉम, इलेक्ट्रॉनिक्स, रिटेल, टूरिज्म एंड हॉस्पिटलिटी, ऑटोमोटिव, प्लंबिंग, कृषि, फूड प्रोसेसिंग, कैपिटल गुड्स एवं लॉजिस्टिक्स समेत अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

कौशल विकास के प्रशिक्षित युवाओं को मिला प्रमाण पत्र.

हुनर से भरिये जीवन में रंग

पंचायतनामा डेस्क

भारत सरकार द्वारा निर्धारित एनएसक्यूएफ मॉड्यूल के अनुसार झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी झारखंड के हर जिले में नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण का सुनहरा मौका दे रही है. आप 18-35 आयु वर्ग के हैं. आप पांचवीं पास या उससे अधिक शिक्षा ग्रहण किये हों. कॉलेज में पढ़ रहे हों या पास हो चुके हैं या पढ़ाई छोड़ दिये हों. आप हुनर से रोजगार या स्वरोजगार करने को उत्सुक हों. आप हुनरमंद हैं, लेकिन कोई प्रमाण पत्र नहीं है, तो आपके लिए ये बेहतर मौका है. आप झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़कर अपनी रुचि के ट्रेड में हुनरमंद बनकर हुनर के संग अपने जीवन में रंग भर सकते हैं.

प्रशिक्षण कार्यक्रम : झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी द्वारा तीन तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं. सक्षम झारखंड कौशल विकास योजना (एसजेकेवीवाई), दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र (मेगा स्किल सेंटर) और एक्सेल (इंप्लॉयबिलीटी एक्सीलेंस विद कॉलेज एजुकेशन एंड लर्निंग). इसी के तहत राज्य के युवाओं को उनकी रूचि के ट्रेड में प्रशिक्षित किया जा रहा है. झारखंड में पायलट फेज के तहत वर्ष 2016 में कौशल विकास कार्यक्रमों की शुरुआत की गयी. इस दौरान 21 प्रशिक्षण प्रदाताओं के साथ एमओयू किया गया था.

सक्षम झारखंड कौशल विकास योजना (एसजेकेवीवाई)

सक्षम झारखंड कौशल विकास योजना का उद्देश्य झारखंड के युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार से जोड़ते हुए सशक्त बनाना है. इससे देश व राज्य की आर्थिक उन्नति में मदद मिलती है. इस योजना का लक्ष्य 70 फीसदी सफल प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न उद्योगों में प्लेसमेंट के जरिये रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ना है.

पांचवीं पास अभ्यर्थी भी ले सकता है प्रशिक्षण : इस योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम योग्यता पांचवीं पास चाहिए. राज्य के 23 जिलों में 47 प्रशिक्षण प्रदाताओं द्वारा 100 से अधिक केंद्रों में प्रशिक्षण की व्यवस्था है. इन केंद्रों में आवासीय एवं गैर आवासीय सुविधा उपलब्ध है. ये प्रशिक्षण पूरी तरह नि:शुल्क है.

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र (मेगा स्किल सेंटर)

इसे पीपीपी मोड पर संचालित किया जाता है. मेगा स्किल सेंटर के लिए न्यूनतम 15 हजार स्क्वायर फीट जगह होनी चाहिए. युवाओं को उद्यमी के रूप में विकसित करना इसका उद्देश्य होता है. अपने क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में खुद को स्थापित करने का प्रयास किया जाता है.

प्रशिक्षण के लिए चाहिए 12वीं पास : इसके तहत प्रशिक्षण के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम योग्यता 12वीं पास होनी चाहिए. राज्य के 10 जिलों में 12 प्रशिक्षण प्रदाताओं द्वारा 16 केंद्रों में प्रशिक्षण की व्यवस्था उपलब्ध है. प्रशिक्षण केंद्रों में आवासीय एवं गैर आवासीय सुविधा है. यहां प्रशिक्षण पूरी तरह नि:शुल्क दिया जाता है.

इंप्लॉयबिलीटी एक्सीलेंस विद कॉलेज एजुकेशन एंड लर्निंग

उच्च, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के सहयोग से झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी ने एक्सेल की शुरुआत की थी. इसके तहत विभिन्न कॉलेजों के 12वीं पास अभ्यर्थियों को इसका प्रशिक्षण दिया जाता है. इसमें सॉफ्ट स्किल व ट्रेड स्किल का प्रशिक्षण दिया जाता है.

12वीं पास ले सकता है प्रशिक्षण : इसके तहत प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास चाहिए. झारखंड के 8 जिलों के 17 कॉलेजों में प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित है. जल्द ही अन्य 100 कॉलेजों में भी प्रशिक्षण की शुरूआत करने की योजना है. यहां भी प्रशिक्षण बिल्कुल मुफ्त है.

पंचायतनामा | डायरी

मध्य प्रदेश. आठवीं पास बलराम ने हुनर से बदली जिंदगी

खरगोन के भीकनगांव में छोटी सी दुकान में टॉर्च रिपेयरिंग कर जीविका चलानेवाले बलराम की जिंदगी हुनर से बदल गयी है. मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और उनके हुनर की बदौलत उनकी जिंदगी में बदलाव आया है. आठवीं पास टॉर्च रिपेयर करनेवाले बलराम आज बिना बिजली से कई घरों में उजाला फैला रहे हैं. एक समय बलराम शर्मा टॉर्च, रेडियो, टीवी, सीडी प्लेयर, डीवीडी प्लेयर व एलइडी की रिपेयरिंग करते थे, पर आज खुद की बनायी सोलर ऊर्जा का उपकरण बना कर बेच रहे हैं. इन उपकरणों को बेच कर बलराम को 30 से 35 हजार रुपये प्रतिमाह का मुनाफा हो रहा है. बलराम सोलर वॉटर हीटर, स्टेट लाइट, सोलर कुकर और सोलर एलइडी बना रहे हैं.

राजस्थान. मोहम्मद अली से लेकर मम्मी उस्ताद का सफर

जयपुर डिपो के पास वाहन बनानेवाले मोहम्मद अली को लोग मम्मी उस्ताद कह कर बुलाते हैं. वाहनों के इंजन व गियर ठीक करनेवाले मोहम्मद अली अब तक करीब 35 युवाओं को अपना हुनर सिखा चुके हैं. यही कारण है कि शहर के लोग उन्हें मम्मी उस्ताद कहकर पुकारते हैं. बहीर निवासी मोहम्मद अली को जीपों के इंजन, गियर मरम्मत सहित स्टेयरिंग, व्हील-ग्रीस, ऑयल बदलने सहित अन्य कई कार्यों में महारत हासिल है. 64 वर्षीय मोहम्मद अली पिछले 30 वर्षों से इस पेशे से जुड़े हैं. उनके द्वारा सिखाये लोग आज दूसरी जगहों पर अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं. मम्मी उस्ताद की मेहनत व जज्बे का ही परिणाम है कि आज उनका एक पुत्र इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है.

प्लेसमेंट से दिख रहा युवाओं के हुनर का दम

पंचायतनामा डेस्क

झारखंड के युवाओं में हुनर की कमी नहीं है. हर क्षेत्र में हुनरबाज हैं, लेकिन उन्हें उपयुक्त मंच नहीं मिल पा रहा था. ऐसे में युवा बेरोजगारी का दंश झेलने को मजबूर थे. झारखंड की रघुवर सरकार ने हर युवा को हुनरमंद बनाकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए पहल की. कौशल विकास के तहत युवक-युवतियों को हुनरमंद बनाने के लिए झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी का गठन किया गया. इसके प्रयास का असर हुआ और आज हुनरबाज युवाओं के चेहरे पर उत्साह है. आर्थिक मजबूती के कारण वह आज किसी से कम नहीं हैं. प्रशिक्षण के बाद प्लेसमेंट से हुनरबाज युवाओं के हुनर का दम दिख रहा है.

रोजगार से जोड़ने के लिए प्लेसमेंट ड्राइव

युवा देश की शक्ति हैं. जब वह मजबूत होंगे, तभी राज्य या समाज सशक्त होगा. ऐसे में झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास ने युवा शक्ति की मजबूती पर बल दिया. इसके तहत झारखंड के युवाओं को सबसे पहले हुनरमंद बनाने पर जोर दिया गया. उनकी रुचि के ट्रेड में उन्हें प्रशिक्षित किया जाने लगा. इसके बाद उन्हें रोजगार से जोड़ा जाने लगा. लक्ष्य की प्राप्ति के लिए झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी द्वारा 175 से अधिक कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव चलाया गया. रांची और जमशेदपुर में दो मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया.

स्किल समिट 2018 के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री व अन्य मंत्रियों के साथ कौशल विकास के तहत प्रशिक्षित युवा.

400 से अधिक प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित

हुनरमंद युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए राज्यभर के विभिन्न जिलों में 400 से अधिक प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किये गये थे. इसके लिए 38 प्लेसमेंट सेंटर्स बनाये गये थे. इसमें सात विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका थी. 200 से अधिक नियोक्ता शामिल थे. 56, 423 हुनरमंदों ने इंटरव्यू में हिस्सा लिया. इसके बाद 26, 674 को प्लेसमेंट दिया गया. मुख्यमंत्री रघुवर दास ने 12 जनवरी 2018 को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर इन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा था.

बेहतरी के एमओयू : अक्तूबर 2017 को रांची में एसएससी समिट का आयोजन किया गया था. कौशल विकास के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन को लेकर एमओयू हुए थे. झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी द्वारा इस आयोजन के दौरान 32 सेक्टर स्किल काउंसिल के साथ एमओयू किया गया था.

प्रशिक्षण से लेकर ज्वाइनिंग तक की स्थिति

इंटरव्यू में शामिल हुए हुनरमंद	56, 423
हुनरमंदों को मिला प्लेसमेंट	26, 674
कुल ज्वाइनिंग	12, 686
कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव	400
नियोक्ता	200
प्लेसमेंट सेंटर्स	38
की डिपार्टमेंट्स	07
औसत वेतन	9,700

आंकड़ों में उपलब्धियां

130 से अधिक प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 13 जनवरी 2018 से अबतक

35 से अधिक कंपनियां झारखंड आयीं प्लेसमेंट ड्राइव के लिए

04 इंप्लॉयर कनेक्ट का आयोजन प्लेसमेंट को लेकर

योजना	अब तक कुल प्लेसमेंट	औसत वेतन (रुपये में)
एसजेकेवीवाइ	9670	7,000-12,000
मेगा स्किल सेंटर	6352	7,000-12,000
एसएससी	164	7,000-12,000
एक्सेल	136	8,000-14,000

नियोक्ताओं का रहा सहयोग

युवाओं को रोजगार से जोड़ने में 500 से अधिक नियोक्ताओं का सहयोग रहा. इनमें मारुति सुजुकी, बेस्ट कॉरपोरेशन, डिश टीवी, यूरेका फोर्ब्स एवं बिग बास्केट समेत अन्य शामिल हैं.

चार इंप्लॉयर कनेक्ट का आयोजन

झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी द्वारा प्लेसमेंट को लेकर बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश की गयी. इसका असर भी हुआ. 13 जनवरी 2018 से अबतक 130 से अधिक प्लेसमेंट ड्राइव चलाया गया. इसका आयोजन राज्य के सभी 24 जिलों में किया गया. इसके लिए करीब 35 कंपनियां झारखंड आयीं. इस दौरान चार इंप्लॉयर कनेक्ट का आयोजन किया गया. इससे 16,322 हुनरमंदों को रोजगार से जोड़ा जा सका. इनका वेतन औसतन सात हजार से चौदह हजार तक है.

मुख्य इंप्लॉयर्स

इंपेरियल गारमेंट्स, कॉटन ब्लॉसम, एजिस बीपीओ, रिलायंस ट्रेंड, मारुति, जेबीएम ऑटो, डोमिनो पिज्जा, पेटीएम, श्रीराम पिस्टन, वन इंडिया फैमिली मार्ट, नाहर टेक्सटाइल, कॉन्सेंट्रिक्स बीपीओ, अरविंद मिल्स, वर्धवान टेक्सटाइल्स, सीबी इंटरनेशनल, आईएसओएन बीपीओ, निशा इंडस्ट्रियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, वेल्सपन इंडिया, सिस्टा हॉस्पिटलिटी सर्विसेज इत्यादि.

पंचायतनामा | डायरी

उत्तराखंड. हस्तशिल्प से बदल रही महिलाओं की जिंदगी

रानीखेत की कुछ महिलाएं बदलाव की कहानी लिख रही हैं. अपने हस्तशिल्प और कुशल मार्केटिंग के दम पर इन लोगों ने ऐसी कड़ी बनायी है, जहां इनके हुनर को सम्मान मिल रहा है. रानीखेत के पब्लिक स्कूल में टीचर रही चयनिका ने करीब 15 साल पहले हिलक्राफ्ट नाम से शुरुआत की थी. तब उनके साथ केवल छह महिलाएं थीं. अभी कुल 54 महिलाओं के तीन स्वयं सहायता समूह बन गये हैं. सभी महिलाएं ग्रामीण परिवेश की हैं. इनमें से ज्यादातर का नाता कभी भी कागज, पेंसिल और स्केल से नहीं रहा है. आज ये महिलाएं ग्रीटिंग कार्ड, कृत्रिम आभूषण और कई तरह के झोलों के साथ सजावटी सामान बनाती हैं, जिनमें कढ़ाई, क्रोशिये और रंगों का कमाल दिखता है.

मध्य प्रदेश. फिरोज की चलती-फिरती पंक्चर की दुकान

इंदौर शहर निवासी फिरोज खान ने एक नयी पहल की है. बिना किसी बड़ी लागत और जटिल बिजनेस मॉडल के वो चलती-फिरती पंक्चर बनाने की दुकान चला रहे हैं. अपनी मोटर साइकिल को ही उन्होंने पंक्चर बनाने की दुकान में बदल लिया है. इंदौर के किसी भी इलाके से उन्हें कोई भी शख्स कभी भी कॉल कर सकता है और फिरोज अपनी मोटर साइकिल कम पंक्चर की दुकान लिए उस शख्स की मदद करने पहुंच जाते हैं. चलती-फिरती पंक्चर की दुकान चलाने का आइडिया फिरोज को साल 2015 में उज्जैन से आया. वहां उन्होंने देखा कि मेले में आने-जाने वाले लोग गाड़ियों के पंक्चर होने से काफी परेशान हो जाते थे. उसी मेले में उन्होंने पंक्चर की दुकान शुरू की. आज फिरोज पूरे इंदौर में मोबाइल पंक्चर शॉप चलाते हैं.

हुनर से धुल रहा बेरोजगारी का दाग

पंचायतनामा डेस्क

झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी हुनरमंदों और नियोक्ताओं के बीच ब्रिज की भूमिका निभा रही है. बेरोजगार युवाओं को उनकी रुचि के ट्रेड में प्रशिक्षित कर हुनरमंद बनाया जा रहा है. इतना ही नहीं, इंप्लॉयर कनेक्ट के जरिये इन हुनरमंदों को नियोक्ताओं से रूबरू भी कराया जाता है, ताकि कंपनियां भी हुनरमंदों की प्रतिभा से अवगत हो सकें और अपनी जरूरत के अनुसार उनका चयन कर सकें. युवाओं को न सिर्फ हुनरमंद बनाने पर जोर है, बल्कि उन्हें रोजगार से जोड़ना भी प्राथमिकता में है. बाजार की मांग के अनुसार युवाओं को तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि उन्हें तुरंत रोजगार मिल सके और बेरोजगारी का दाग धोया जा सके.

ग्लोबल स्किल समिट

GLOBAL SKILL SUMMIT 2019
MOMENTUM JHARKHAND
Skilling Youth, Enabling Growth

झारखंड में ग्लोबल स्किल समिट का आयोजन किया जा रहा है. इसके लिए जोर-शोर से तैयारी की जा रही है. झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी द्वारा वर्ष 2019 में ग्लोबल स्किल समिट का आयोजन किया जाना है. इससे हुनरमंदों को रोजगार से जोड़ने में तेजी आयेगी.

कौशल विकास के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से जानकारी लेते मुख्यमंत्री रघुवर दास.

हुनर से खत्म होगी बेरोजगारी : रघुवर दास, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि झारखंड से बेरोजगारी खत्म करना उनकी प्राथमिकता है. लोगों को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ कर गरीबी समाप्त की जा सकती है. प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार कौशल विकास पर जोर दे रही है. 12 जनवरी 2019 को एक लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया जायेगा. कपड़ा और चमड़ा उद्योग में प्रशिक्षित लोगों की काफी मांग है. ऐसे में उद्योगों की जरूरत और बाजार की मांग के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाये. रोजगार के लिए बाहर जानेवालों को राज्य में ही नौकरी दिलाने की कोशिश हो. राज्य स्तर पर प्लेसमेंट एजेंसी बनाकर झारखंड से बाहर नौकरी के लिए जानेवालों का रजिस्ट्रेशन कराएं. उन्होंने कहा कि राज्य के 24 में से 19 आकांक्षी जिले हैं. इनमें छह जिले अति पिछड़े जिलों की श्रेणी में हैं. वहां काफी गरीबी है. नक्सल के कारण अविकसित रह गये जिलों के विकास पर सरकार का विशेष फोकस है. उन जिलों में मेगा ट्रेनिंग सेंटर खोल कर स्थानीय लोगों को प्रशिक्षित कर रोजगार से जोड़ा जाना चाहिए. राज्य के प्रशिक्षित युवा देश ही नहीं विदेशों में भी नौकरी के लिए जा रहे हैं. यह सुखद भविष्य का संकेत है.

मनचाहे ट्रेड में लीजिए प्रशिक्षण

आप झारखंड के किसी भी जिले के हों. अपनी रुचि के ट्रेड में प्रशिक्षण के लिए इन मोबाइल नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं. झारखंड के युवा किसी भी जिले में नि:शुल्क प्रशिक्षण ले सकते हैं.

जिला	प्रशिक्षण प्रदाता का नाम	मोबाइल नंबर
बोकारो	जसवंत कुमार सिंह	9334717718/9123479811
चतरा	अमित कुमार सिंह	9135676683/9905902233
देवघर	उदय शंकर शाही	9031469978
धनबाद	आशुतोष चौरसिया	9424346651/8770032450
दुमका	हर्ष कुमार तिवारी	9102065058/8709118413
गढ़वा	नीतेश कुमार	9097000678
गिरिडीह	मो मोहसिन हाशमी	8298093391
गुमला	ब्रजेश कुमार	9905761834
हजारीबाग	अभिषेक कुमार खत्री	9204234901
जामताड़ा	त्रिपुरारी दत्ता	8651858459
खूंटी	नवीन कुमार	7870719868
कोडरमा	अभीजित कुमार रॉय	7870038250/7761839087
लातेहार	निशांत परासर	9955272484
लोहरदगा	रंजीत कुमार	8434512777
पलामू	पुनीत कुमार ओझा	8674911713
पश्चिमी सिंहभूम	नवीन कुमार सिंह	9097752191/7209000309
पूर्वी सिंहभूम	सौरभ कुमार अधिकारी	9830447744
रामगढ़	शशांक कुमार	7209586560
रांची	सुशील कुमार	9431358409
साहेबगंज	तापस कुमार बनर्जी	9883694217
सरायकेला-खरसावां	दीपक कुमार सिंह	9334652481/8918224607
सिमडेगा	धर्मेश कुमार	9199234783/8340353897

115 ट्रेड में प्रशिक्षण

29 सेक्टर के 115 ट्रेड में फिलहाल युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है. बाजार की जरूरत को देखते हुए कुछ ट्रेड को शामिल किया जा रहा है.

5वीं पास

- हैंड इंब्रॉयडर
- वुडेन फर्नीचर
- प्लंबर (जेनरल)
- आरपीएल कारपेंटर
- सिलाई मशीन ऑपरेटर
- पेंटर एंड डेकोरेटर कॉन
- एग्रीकल्चर डेयरी फार्मर/ इंटरप्रेन्योर

8वीं पास

- लेथ ऑपरेटर
- टेलरिंग
- सिक्योरिटी गार्ड
- असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट
- हेयर स्टाइलिस्ट
- मेकअप आर्टिस्ट
- मैनुअल मेटल आर्क वेल्डिंग
- इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आइटी हार्डवेयर फील्ड टेक्नीशियन
- डीटीएच सेट टॉप बॉक्स इंस्टॉलर
- एंड सर्विस टेक्नीशियन
- इंटीग्रेटेड कोर्स इन हेयर स्किन एंड मेक अप
- गार्मेंट मेकिंग ऑर्नामेंटलिस्ट (हैंड वर्क स्पेशलिस्ट)
- रिपेयर एंड मैंटेनेंस ऑफ ऑफिस इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट

10वीं पास

- हेल्पर इलेक्ट्रिशियन
- रिटेल सेल्स एसोसिएट
- रिटेल ट्रेनी एसोसिएट
- फिटर फैब्रिकेशन
- असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन
- रिटेल सेल्स एसोसिएट
- वेल्डिंग टेक्नीशियन लेवल थ्री
- सीसीटीवी इंस्टॉलेशन टेक्नीशियन
- डोमेस्टिक डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फूड एंड बेवरेजेज सर्विसेज ट्रेनी
- फूड एंड बेवरेज सर्विस स्टेवार्ड
- वेल्डिंग टेक्नीशियन लेवल थ्री
- आइटी हेल्पडेस्क अटेंडेंट
- जेनरल ड्यूटी असिस्टेंट
- ऑटोमोटिव सर्विस टेक्नीशियन
- अकाउंट्स असिस्टेंट यूजिंग टैली
- कंप्यूटर नेटवर्क असिस्टेंट
- डीटीपी एंड प्रिंट पब्लिशिंग असिस्टेंट
- वेब डिजाइनिंग एंड पब्लिशिंग असिस्टेंट
- लॉजिस्टिक्स कूरियर डिलिवरी एक्सीक्यूटिव
- सर्टिफिकेट कोर्स इन सीएनसी मिलिंग
- सर्टिफिकेट कोर्स इन सीएनसी टर्निंग
- कंडेंस्ड कोर्स इन टूल एंड डाई मेकिंग

12वीं पास विज्ञान

- रिटेल टीम लीडर
- मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नीशियन
- ऑपरेटिंग थियेटर टेक्नीशियन
- इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन
- फिटर इलेक्ट्रॉनिक एसेंबली (आइटीआइ पास)
- एक्सेल-सर्टिफिकेट इन मैनेजमेंट एंड सॉफ्ट स्किल प्रोग्राम
- एडवांस सर्टिफिकेट कोर्स इन इंस्पेक्शन एंड क्वालिटी कंट्रोल

12वीं पास/डिप्लोमा/ग्रेजुएट

- फील्ड टेक्नीशियन, कंप्यूटिंग एंड पेरिफेरल्स
- टेक्नीशियन, नेटवर्किंग एंड स्टोरेज
- फील्ड टेक्नीशियन, कंप्यूटिंग एंड पेरिफेरल्स
- कस्टमर केयर एक्सीक्यूटिव (टेलीकॉम)
- कंस्ट्रक्शन सुपरवाइजर फिनिशेज कॉन
- कंस्ट्रक्शन टैक वेल्डर कॉन
- हैंडसेट रिपेयर इंजीनियर

पंचायतनामा | डायरी

दिल्ली. मोनिष कुमार ने कम कीमत पर बनाया देसी कुलैंट

कुलैंट मिट्टी के बर्तन, पानी और पंखे की मदद से तैयार हुआ देसी एसी है, जो चर्चा का विषय बन गया है. इस देसी एसी को बनाने में मुख्य भूमिका मोनिष कुमार ने निभायी है. इस एसी से जहां पर्यावरण को नुकसान नहीं होगा, वहीं बढ़ते बिजली बिल से राहत भी मिलती है. सामान्य एसी के मुकाबले यह बिल्कुल अलग है. इसमें न कोई कंडेंसर लगा है और न ही गैस भरी गयी है. इस तरह का सबसे छोटा देसी कूलैंट करीब छह हजार रुपये का होगा. मोनिष की टीम ने इस एसी को देसी कुलैंट नाम दिया है. देसी कुलैंट से ठंडी-ठंडी हवा निकलने के वैज्ञानिक पहलू को बताते हुए मोनिष कहते हैं कि एक स्टैंड पर विशेष प्रकार की मिट्टी के बर्तन रखे गये हैं, जिन पर कूलर की तरह लगातार पानी गिरता रहता है.

राजस्थान. चावल के दाने पर कलाकारी करती हैं नीरू छाबड़ा

जयपुर की नीरू छाबड़ा के हाथ में अगर कोई चावल का दाना आ जाये, तो वो एक कैनवास का रूप ले लेता है. इसकी शुरुआत नीरू ने 31 साल पहले की थी. नीरू बचपन में लोगों से सुनी थीं कि चावल पर बेहतर आकृतियां उकेरी जाती हैं. नीरू ने भी कोशिश की और उसमें सफलता पायी. नीरू की श्रेष्ठ कलाकृतियों में भक्तामर स्रोत, अनेकता में एकता, मेरा भारत महान जैसी कलाकारी शामिल है. उन्होंने ब्रश से चावल के दाने पर 108 अक्षर लिख कर लोगों को आश्चर्य में डाल दिया. नीरू की कलाकृतियों को देख कर देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनकी सराहना की है. अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन नीरू की कलाकृतियों से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने व्हाइट हाउस से नीरू को प्रशंसा पत्र भेजा था.